

म्हारे कालजे री कोर सुनो प्यारा चित्तचोर

म्हारे कालजे री कोर प्यारा प्यारा चित्तचोर
हमारी नैनो सु नैन मिला ले रे ,
बाबा कुछ महासु बतला ले रे,
म्हारे कालजे री कोर प्यारा प्यारा चित्तचोर

थारी किरपा सु सेठ संवारा थारे द्वारे आया
रोम रोम हर्शायो माहरो थारा दर्शन पाया ,
केसों प्यारो शिंगार लेवो नजर उतार,
कोई नजर न आज लगा दे रे,
शाना कुछ माहसू बतलाले रे,

रंग बिरंगा गजरा थारी शोभा और बडावे,
माथे मुकट गले में कंठी केसर तिलक लगावे
भगता बोले जय जय कार गुंजियो श्याम दरबार
बाबा थोड़ी सी पलक उठा ले रे,
शाना कुछ माहसू बतलाले रे,

आज तो थारी मुख मंडल री आबा लागे न्यारे
नजर न ठेहरे आज रूप पर जावा वारी वारी
करा थारो गुण गान देदो चरना में अस्थान,
म्हारे जन्मा री प्यास बुजा दे
शाना कुछ माहसू बतलाले रे,

सुन सुन बाता प्रेम धरे म्हारो बाबो फूल जावे
प्रेम बरी नजरा सो देख मिठो सो मुसकावे,
उठी उठी जो हिलोर नाचे मनडा रो मोर
नंदू मस्ती लो रंग बरसा दे रे ,
शाना कुछ माहसू बतलाले रे,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17398/title/mahre-kaajle-ri-kor-suno-pyaara-chitchor>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |